विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

ISSN 0972-5636

भारतीय आधुनिक शिक्षा

वर्ष 32 | अंक 3 | जनवरी 2012

इस अंक में

संपादकीय		3
पठन कौशल का विकास– कुछ बुनियादी सरोकार	– लता पाण्डे	5
शिक्षक शिक्षा एवं गुणात्मक सुधार	– ललित कुमार	17
ज्ञान का बदलता स्वरूप और शिक्षा की समस्या	– दयाकृष्ण	29
वर्तमान समय में योग की प्रासंगिकता	– सुनीता कुमारी नागर	39
शिक्षा का अधिकार और स्कूली शिक्षा की जनउपलब्धता, स्वीकार्यता एवं सामंजस्यता (भोपाल जिले के विशेष संदर्भ में)	– रमाकर रायज़ादा	47
ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयीन अध्यापकों की समस्याओं का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन	– हंसराज पाल एवं राकेश देवड़ा	65
डॉ. मारिया मान्टेसरी के शैक्षिक विचारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उनकी प्रासंगिकता	– विनीता गुप्ता	73
लोकनायक जयप्रकाश नारायण का शिक्षा दर्शन	– पंकज कुमार दूबे	83
शान्ति शिक्षा एवं वर्तमान अध्यापक शिक्षा में निहितार्थ	– सुषमा जोशी	92

प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थियों में लोच (नम्यता) का विकास – प्रत्यय, विशेषताएँ व अध्यापक की भूमिका	– नीलू ढल एवं सुषमा शर्मा	99
सामाजिक परिवर्तन के प्रतिनिधि के रूप में शिक्षा एवं शिक्षक	– शोभा रानी सभ्रवाल	105
अध्यापकों के सामने उभरती चुनौतियाँ (शिक्षक दिवस, 2011 के अवसर पर)	– जगमोहन सिंह राजपूत	111